

सं. 270 रक्षा 1 कीदा 03 विजा वरीलाक,
 चिंकी पिठजोटा (कडीगण), रातकोरी बेवा
 जोटा हिस्सा 1/4 केरीलाक पुत्र विमान्या हिस्सा
 3/8, विमान्या पुत्र मुन्ना पिठ कलामुडा कु नाम
 पर खोटे दारी में दर्ज है। शर्यन पत्र में अखिर
 तप्य के अदुलार रातकोरी फौट हो चुकी है तथा
 विमान्या भी फौट हो चुका है। विमान्या का
 पुत्र लक्ष्मीनारायण भी फौट हो चुका है जिनके
 पारिस अठिगस 2 ता 4 है। अखर अरोर
 वरित जन्मावदी व प्रथम व के तप्यो के दमदार
 पर यह लपट है कि विजाडित अराजी कडीगण
 अठिगस 1 व अठिगस 2 ता 4 के दादा की
 दहलावे दारी की भूमि थी। बिना वंशाय
 फराये कानून न लहलावे दारी की भूमि में अठिगस
 इंच पर अठिगस लहलावे दार का उसके हिस्से
 अदुलार अका का आधिकार हो गये, लह-
 लावे दार के विरुद्ध 7-7 तनी जरी विजा
 लकरी है जफर लह लावे दार बिना वंशाय का
 भी फेर कोई निर्माण कर रहे थे मा भूमि को
 बुई- बुई कर रहे थे। इत प्रकरण में इस
 प्रकार का कोई तप्य मा खंज गवाह प्राथमिक
 ने प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए प्राथमिक
 अराजीगण के विरुद्ध अत्याची निकेया का
 अदुलोष पाने का अठिगरी नहीं है।

अगर शर्यन पत्र प्राथमिक
 रकारिज किया जाता है निर्णम लरे अत्याची
 पुनः अग/पनावली के लल प्रुमा होका
 नम्बाले करहा तथा प्राथमिक दस्त रहे।

Riy